

DPN 6953

मन्त्र संग्रह MANTRA SANGRAHA

Title :

Run. No. 7678

Cat. No.

Micro. No.

Subject मन्त्र Mantra

Religion : Hindu / Bauddha

Language : ☒ Skt. / New. / Nep. / ☒ Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 6.5 x 13.5

Folios 6

Lines ( in a page ) 5

☒ Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : ☒ New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / ☒ thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

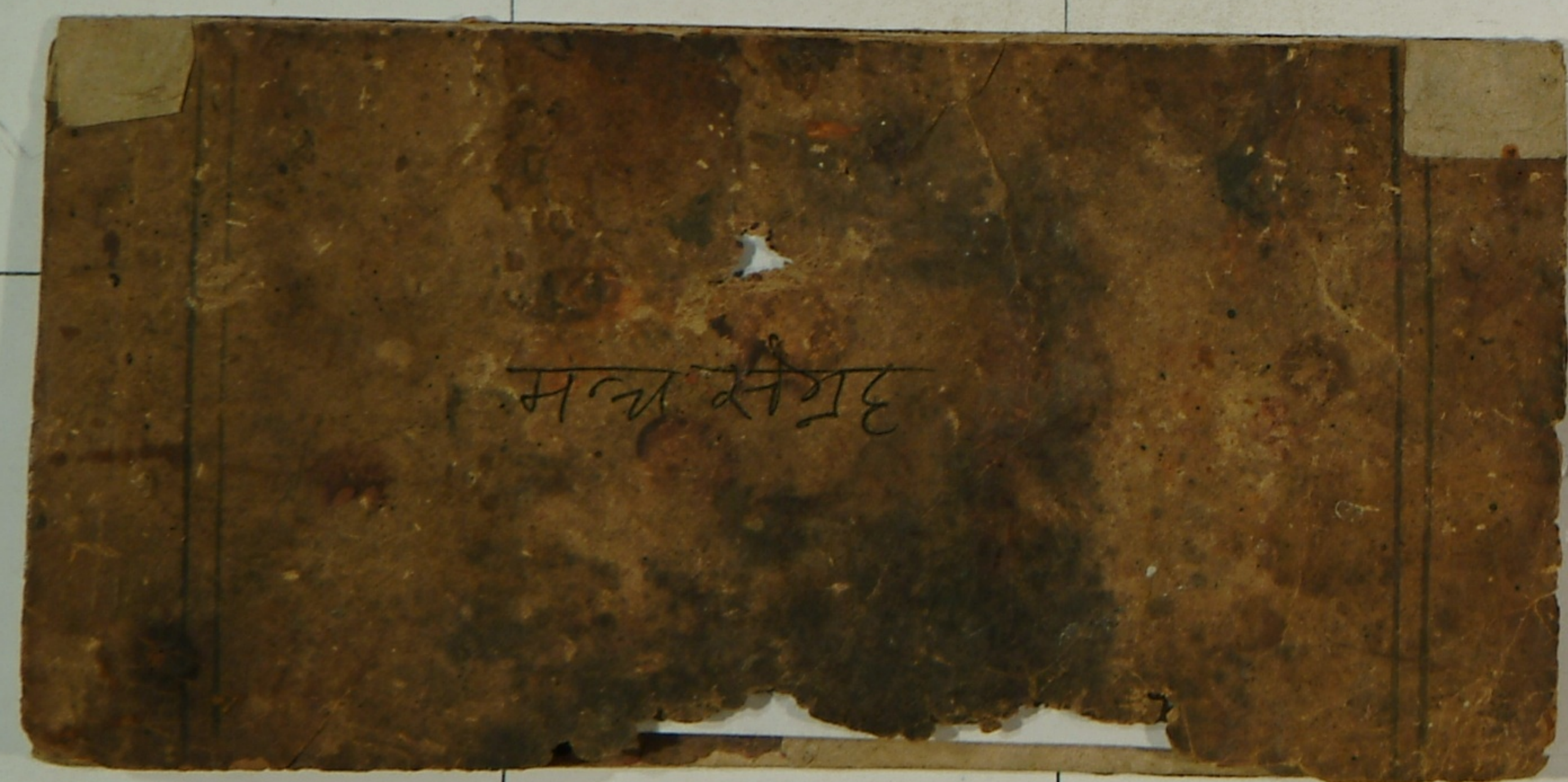
मन्त्र-चक्रसंवरया ॥ भगवानमा ॥ जोगांवरया ॥ ज्ञानडाकिनीया ॥

P. T. O.



माहेश्वरीया ॥ गन्धसया ॥ द्युंग्री (व) या ॥ चतुया ॥ वुंगदेवया ॥  
महाकारया ॥ चाकुवाहा देवया ॥ भिंयवया ॥ विष्ठाया ॥ स्मशानया ॥  
न्यास ॥







ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
जो नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥  
ॐ सर्व भूयः कृष्णाय नमः ॥ ३ ॥  
वन्द्यो नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

या ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥  
स्वाहा ॥ ५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥  
यो नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥  
या ॥ ९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥



ॐ देवयिम्बु वज्र हं रुद्र स्वाहा ॥ ७

॥ विष्णु भक्तिया ॥ ८ ॥ ॐ ग ४

ॐ गलपु नं नमः स्वाहा ॥ ग नमः स्वाहा ॥

८ ॥ ॐ हं मः मः सौ का ग य हं रुद्र स्वाहा ॥

हयं गाया ॥ १० ॥ ॐ विष्णु मः स्वाहा

य हं स्वाहा ॥ वज्रया ॥ १२ ॥ ॐ निम

ॐ हं स्वाहा ॥ वज्रया ॥ १३ ॥ ॐ हं

ॐ हं रुद्र स्वाहा ॥ महाका गया ॥ १४ ॥

ॐ हं रुद्र ॥ ता कं वा हा देया ॥ १५

॥ ॐ विष्णु मः मः सौ का ग य हं रुद्र स्वाहा ॥ विष्णु



जया ॥ ॥ ॐ वं वृ नम हं रुट सा  
हा ॥ वि ब्रु वि या ॥ ॥ ॐ न कि मि व न  
स सानाय स्वाहा ॥ स सानाय ॥  
अथ हास ॥ ॥ ॐ आ ॥ २ ॥ अ नि ॥ ॐ ४ ॥ ग हा  
दाय ॥ ॐ ३ ॥ ग हा य वि म य क ॥ ॥ ॐ १२ ॥ ज ज  
दास व ध ॥ ॐ १२ ॥ नि क व ध ॥ ॐ १२ ॥ ज ज ॥ ५

॥ ॐ वं ज यं क रु हा हं ॥ य द्वा हा वा ॥ ॐ कं आ जिं र वं हं ॥  
ज ज ग हा ॥ ॥ ॐ गं मां पा ती कं ॥ र व ज ग हा ॥ ॐ ह ह द  
य ॥ न ग ॥ ॐ न मा हि ल ग तं ॥ क षा ॥ ॐ वा य त हं ॥  
वा ह नि क ॥ ॐ क व ध य ॥ द्वा स नि षी ॥ ॐ व द्वा य ॥ मि र वा  
नि षी ॥ ॐ ह ॥ २ ॥ स वी ग य मं ग ॥ ग ॥ थ ति क ज न ॥ ॐ वं मा हा ॥ ल र ॥  
ॐ ही या या हे ॥ ध र ॥ ॐ मा क थ ॥ क थ ॥ ॐ किं किं ल ना ग क प  
ॐ ह ॥ २ ॥ स वी ग य मं ग ना म ॥ थ ति र व ज न ॥ अ ग न्या स ह र







ॐ नमो श्रीवक्रसंर्वनाय ॥ ॥ महानिरुय  
यं वा माहनि समाना धनाय वक्र धूपं  
वाय ॥ पंचमाहि न्ये पादौ ॥ ॥ इति न्ये स्वा  
हा ॥ स्तुति न्ये स्वाहा ॥ माहि न्ये स्वाहा ॥ त्रा  
कृषि न्ये स्वाहा ॥ वक्रा कति न्ये स्वाहा ॥ ॥ ॥

पंचायचानः रुयमरुनि ॥ ॥ सिद्धमाह नियुजा ॥  
धूपथन्य ॥ ॥ जैवं याजिनि रघन कासमाना धना  
यपंच वक्र रघन कसमाना धनाय वक्र धूपं ॥  
॥ पादाद्य ॥ वक्र याजिनी रघन काथे पाद्यं नम  
॥ स्वाय ॥ वं वक्रा नाधु स्वाहा ॥ हां थां यामिनि



यस्याहा ॥ किं मां माहि नियस्याहा ॥ किं की सं वा नि नि  
यस्याहा ॥ इंदं सं वा सि नियस्याहा ॥ रुद्र वं भु का  
यस्याहा ॥ ॥ माह नियता पादाद्यतय ॥ ॥ चं वं  
ध रघु काय पाद्यं ॥ ॥ सां वाय ॥ वे प्राव नायस्याहा  
अक्षय्याहा ॥ न ले सं ह याय स्याहा ॥ नृमृग

लायस्याहा ॥ अमाद्य सं दाय स्याहा ॥ ॥ चं वं  
वा न न प्रजायाय ॥ प्रीत ॥ न मा मि ब ड वा या हि ॥  
सर्व पाय पु मा य नि मा लि वि धं सि नि द वि द ध व  
रुद्र दाय नि ॥ ॥ न मा मि वं व द् ॥ ॥ अक्षु न  
का नृ मं नृ लो हि रं मं प्र वि ज्ञ ल ग्ने रं वं मं व नृ ध  
सि रं वी रं ति अ नृ प द र म हा ह नं सर्व वृद्धं मं हं रं न ॥

मा  
नृ प लो अ ध न या य र